9/6/16 आवेदक पत्रा० के मध्य कोई वाद में किये हुई प्रार्थी का मूल वाद निर्णय हो चुका है अवशेष प्रा०पत्र का आगे चलने का कोई औचित्य नहीं है अतः प्रार्थी का प्रा०पत्र खारिज किया जाता है पत्रा० नम्बर से क्रम होकर बाद तकमील दाखिल दफ्तर की जावे। निर्णय क्रमकोई में लिखाया जाकर सुनाया गया।

H

Scanned by CamScanner